

तुरीयवर्ण (1. तु० + वर्ण) m. ein Angehöriger der 4ten Kaste, ein Çûdra HALS. im ÇKDn.

तुरुष्क m. 1) N. pr. eines Volkes, die Indoskythen, Türken (sg. das Land) TRIK. 2, 1, 9. 3, 3, 26. H. 959. a n. 3, 50. MED. k. 101. LIA. II, 411. in einer Inschr. Z. f. d. K. d. M. 5, 463. fg. RĪGA-TAB. 1, 470. 4, 179. 5, 152. ०तुरग KATHĀS. 19, 109. तुरुष्कदेशं प्राप्ताः स्मः । यत्र श्रीत्रियानति-
धीनासनपाद्यादिभिरपि गृह्णीषो नोपतिष्ठति PRAB. 22, 5. fgg. = यवन Ind. St. 2, 248. fg. sg. Fürst der T. WASSILJEV 51. 52. 53. 71. — 2) Olibanum, ostindischer Weihrauch, das Harz der Boswellia serrata Stackh. AK. 2, 6, 8, 30. TRIK. 3, 3, 26. H. 648 (nach dem Sch. auch n.). H. a n. MED. = श्रीवास das Harz der Pinus longifolia H. a n. (= श्रीवासकवत्! VIÇVA im ÇKDn.). SUÇA. 1, 139, 10. 2, 504, 18. VARĀH. BRH. S. 76, 13. 15. 29. 36. Vgl. die Synonyme यवन und यवनदेशज.

तुर्करी = त्रिप्रकृत्तर Nir. 13, 5. von तर्क (तृक्, तृष्क) nach SĪ. सृष्टौ-
व जर्भरी तुर्करीतु नैतिशेवं तुर्करी पर्करीका RV. 10, 106, 6. 8.

तुर्करीतु = कृत्तर Nir. 13, 5. RV. 10, 106, 6.

तुर्प 1) adj. parox. = 1. तुरीय 1. der vierte P. 5, 2, 51, VArt. 1. ÇRUT. 9. BHĪG. P. 1, 3, 9. 4, 24, 2. VER. 17, 13. मुहूर्त Verz. d. B. H. No. 912. — 2) n. = 1. तुरीय 2: तुर्पे स्थितः BHĪG. P. 7, 9, 32. adj. in diesem Zustande befindlich 15, 54. एक एवेश्वरस्तुर्पो भगवान्स्वाश्रयः परः 6, 5, 12. BURĀ.: qui (embrasse tous les êtres sous) sa quatrième forme 6, 5, 12. — 3) adj. subst. = 2. तुरीय BHĪG. P. 6, 9, 8. तुर्पे भिन्नायाः, तुर्पेभिन्ना, भिन्नातुर्पम् P. 2, 2, 3.

तुर्पवैक्व् oder ०वैक्व् (तुर्प + वैक्व् oder वाक्) m. nom. ०वाक्, acc. ०वा-
क्त्म्, pl. nom. ०वाक्त्म्, f. तुर्पवैक्वी ein im vierten Jahre stehendes Rind VS. 14, 10. 18. 26. 21, 16. 24, 12. 28, 28. TS. 4, 3, 2.

तुर्प्या (von तुर = 1. तर) f. überlegene Kraft: तत्रेदिन्द्रैर्दधते पृत्सु
तुर्प्या TS. 2, 2, 13, 4.

तुर्व, तूर्वति DHĀTUP. 13, 61 (हिंसार्थ); partic. तूर्पा P. 6, 4, 21, Sch. 1)
überkommen, überwältigen, überholen: वृत्रं यदिन्द्र तूर्वास RV. 8, 88, 6.
दस्युम् 6, 14, 3. 20, 3. 15, 5. अयस्यानि तूर्वन् 1, 100, 5. — 2) überkommen
machen, zum Sieg verhelfen; erretten: अत्रिं न मरुस्तमसो ऽमुमुक्तं तूर्वतं
नरा इरितादभीकं RV. 6, 50, 10. यस्य अवांसि तूर्वथ 8, 63, 10. याभिः सि-
न्धुमवथ याभिर्दशस्यथा क्रिविम् 20, 24. — Vgl. 1. तर, तूर्वयाण, तूर्वि.

तूर्व = तुर्वश. यडस्तुर्वथ RV. 10, 62, 10.

तूर्वणि (von तुर = 1. तर) adj. überlegen, überwältigend, siegreich
Nir. 6, 14. Indra RV. 1, 56, 3. 61, 11. 5, 35, 3. 10, 32, 5. सुमानि विश्वा म-
नुषेव तूर्वणिर्का विश्वैव तूर्वणिः 1, 130, 9. शतं चत्नापो अत्तभिर्देवो वनेषु
तूर्वणिः 128, 3. समत्सु तूर्वणिः पत्न्यून 4, 20, 1.

तूर्वन् (wie eben) n. das Ueberwinden; nur im dat. : यत्पृत्सु तूर्वणे स-
कृस्तच्छ्रेष्ठमश्चिनोर्वः RV. 8, 9, 13. देवं देवं वो ऽवंसु इन्द्रमिन्द्रं गृणीषणि ।
अर्धा यज्ञाय तूर्वणे व्यानप्रुः 12, 19. व्यानतूर्वणे शर्मि 43, 27. पत्नं वाजस्य सा-
तये पत्नं रूपेत तूर्वणे 10, 93, 10.

तूर्वश m. N. pr. eines arischen Stammhelden oder Stammvaters und
des Stammes selbst, der im RV. viel genannt ist und dem Stamm der
Kaṇva nahe zu stehen scheint; gewöhnlich in Verbindung mit Jadu.
त्वमाविश नयं तूर्वशं यडम् RV. 1, 34, 6. 174, 9. उत त्या तूर्वशा यद्द अन्ना-
तारा शचीपतिः । इन्द्रो विद्वांश्चयारयत् 4, 30, 17. 5, 31, 3. 10, 49, 8. नि तु-

र्वशे नि यद्वं शिशीहि 7, 19, 8. 18, 6. 6, 27, 7. 9, 61, 2. इमे सोमांसो अर्धं तु-
र्वशे यद्विमे कावेषु वामयं 8, 9, 14. यनासत्या परावति यद्वा स्थो अर्धं तु-
र्वशे 1, 47, 7. 36, 18. 108, 8. 8, 4, 1. 7. 19, 7. 18, 9, 14. 43, 27. 6, 45, 1. — Vgl.
तुर्वसु, तूर्वश.

तूर्वसु (die spätere Form von तूर्वश) m. N. pr. eines Sohnes des Ja-
jāti von der Devajāni und Bruders des Jadu MBh. 1, 3159. 3162. 3432.
HARIV. 1604. 1617. VP. 413. 415. 442. BHĪG. P. 9, 18, 33. 23, 16. VĀJU-P.
in Verz. d. Oxf. H. 49, a, ult. LIA. I, Anh. xxviii, N. 4.

तूर्वति m. N. pr. eines Mannes (oder Stammes) RV. 1, 36, 18. अरम-
यः सरपसस्तरोय कं तूर्वतिपे च व्य्याप च स्रुतिम् 2, 13, 12. 1, 61, 11. 54, 6.
112, 23. 4, 19, 6.

तुल, तोल्यति (DHĀTUP. 32, 59) und तुलयति (vgl. Schol. zu BHĀṬ. 16,
16), ०ते; die erste Form selten in übertr. Bed.; nach Vop. auch तोलति.

1) aufheben: इदं धनुरकं दिव्यं तोलयिष्यामि पाणिना R. GORR. 1, 69, 15.
(धनुः) तोलयामास 3, 4, 44. शिलां प्रगृह्य मरुतो तोलयामास HARIV. 6859.
तोलयामास तां स्थलम् (सरसः) R. 6, 82, 158. तोलयन् 4, 9, 91. तोलयिवा 81.
6, 82, 158. 1, 69, 16 (GORR.). HARIV. 16310. पृथिवी तोलयिष्यते pass. BHĀṬ.
16, 16. तोलित R. 6, 80, 24. तद्गृहीत्वा (धनुः) ततस्कृञ्चस्तुलयामास HARIV.
4804. बाहुभिस्तुलयन्व्योम 2635. तुलयिवा 3946. 4303. तुलित RAGH. 4,

80. 12, 89. — 2) durch Aufheben eines Dinges sein Gewicht bestimmen,
wägen, abwägen (der Wagebalken an der Wage entspricht den Armen
des Menschen), mit etwas Anderm zusammenhalten und genau prüfen,
mit prüfendem Misstrauen ansehen: उत्कृत्य स स्वयं मांसम् — तुलया-
मास — कपोतेन समम् MBh. 3, 10588. सत्यं पुरा तुलयता — स्वयंभुवा R.
2, 61, 9. अश्वमेधसकृत् च सत्यं च तुलया धृतम् तुलयिवा तु पश्यामि सत्य-
मेवातिरिच्यते ॥ 10. MBh. 12, 7269. VARĀH. BRH. S. 27, a, 1. तुलितं तुला-
याम् 10. तुलितो ऽतः — ऊनः 67, 107. MĪT. 145, 12. — एकैकमात्मनः क-
र्म तुलयिवा MBh. 12, 2394. अग्रमेयं हि तत्तेजः शक्यं तुलयितुं न वै R. 3,

31, 21. पञ्चैव तोलयामि त्वाम् 4, 9, 104. खल्वकं वां न तुलये नावमन्ये च
100. सामर्थ्यं तुलयन्त्यकम् 5, 56, 32. कः अद्वाप्यति भूतार्थं सर्वो मां तुलयि-
ष्यति MAKĀH. 33, 5 (= 90, 18). 58, 24. — 3) im Gewicht gleichmachen
mit; gleichschätzen, gleichstellen, vergleichen; mit dem instr. oder mit
einem adv. auf vत्: सितसर्षपाष्टकं तपडुलो भवेत्तपडुलेस्तु विंशत्या तु-
लितस्य द्वे लते VARĀH. BRH. S. 81 (80, a), 12. तुलयाम लवनापि न स्वर्गं
नापुनर्भवम् । भगवत्सङ्गिसङ्गस्य BHĪG. P. 1, 18, 13 (= 4, 30, 34). तुलये 4,

24, 57. न ब्राह्मणैस्तुलये भूमन्यत् 5, 5, 23. त्णावद्वाषितं तासां तुलयामास
R. 5, 56, 91. मुलं श्लेष्मागारं तदपि च शशाङ्केन तुलितम् BHĀṬ. 3, 17. —
4) Jmd die Wage halten, sich messen können mit; gleichen; mit dem
acc.: अतःसारं घन तुलयितुं नानिलः शक्यति त्वाम् MBh. 20. अतस्तोयं
मणियमभुवस्तुङ्गमर्थलिकायाः प्रासादास्त्वा (घन) तुलयितुमलं यत्र तैस्तैर्वि-
शेषैः 63. प्राणानां तुलितविसिनीपन्नपयसाम् BHĀṬ. 3, 7. in gleichem
Mausse besitzen, erreichen: मायाविकल्पपरचितैरपि ये (स्थाः) तदधिर्न स्य-
न्दनैस्तुलितकृत्रिमभक्तिशोभाः RAGH. 13, 75. — Vgl. तोलान, तोल्य, तुल्.

डल्, अन्दालय्, अन्दालय्, हिन्दालय्, हिन्दोलय्.

— अा aufheben: (धनुः) न शकुरतोलयितुमपि पूरयितुं कुतः R. GORR.
1, 34, 10.

— उद् 1) aufheben: खड्गमुतोलय्य Verz. d. Oxf. H. 93, a, 2. 103, a, 10. auf-
richten, errichten: तोरणानां श्रेणयः समताडच्छ्रीयताम् = उतोलयताम्